

झारखंड के कार्मिकों को वीरता और सेवा पदक मलेंगे

चर्चा में क्यों?

सूत्रों के अनुसार, **78वें स्वतंत्रता दिवस समारोह** के तहत दल्लि में आयोजित एक वशिष समारोह में **झारखंड के 19 कर्मचारियों और अधिकारियों** को उनकी **अनुकरणीय सेवा एवं बहादुरी के लयि सममानति** कयि गया ।

मुख्य बदि:

- गढवा के पुलसि अधीकषक (Superintendent of Police- SP) दीपक कुमार पांडेय को इनामी **नक्सली** को मार गरिने के लयि **वीरता पदक** से सममानति कयि जाएगा ।
 - वीरता पदक पाने वाले अन्य लोगों में उप नरीकषक वशिषजीत कुमार सहि, हवलदार उमेश सहि, कांस्टेबल सुभाष दास, कांस्टेबल गोपाल गंडू, कांस्टेबल रवींद्र टोपपो और सहायक उप नरीकषक (ASI) सचचदिानंद सहि शामिल हैं ।
- **झारखंड के 11 पुलसि कर्मयियों** को **सराहनीय सेवा पदक** मलेंगा ।
 - पुरस्कार प्राप्त करने वालों में हेड कांस्टेबल सलोमी मजि, कांस्टेबल वमिल कुमार छेत्री, कांस्टेबल रणधीर कुमार सहि, कांस्टेबल संजीव कुमार गुप्ता, कांस्टेबल हेमा रानी कुल्लू, हेड कांस्टेबल संजय उरांव, हेड कांस्टेबल अरुण उरांव, कांस्टेबल रेखा कुमारी, हेड कांस्टेबल ऋतुराज, हेड कांस्टेबल राजेंद्र राम और हेड कांस्टेबल संजय कुमार शामिल हैं ।

वीरता पुरस्कार

- सशस्त्र बलों, अन्य वधिपूरवक गठति बलों और नागरिकों के **अधिकारियों/कार्मिकों की बहादुरी तथा बलदिान के सममान** के लयि भारत सरकार द्वारा वीरता पुरस्कारों की स्थापना की गई है ।
- स्वतंत्रता के बाद, पहले तीन वीरता पुरस्कार अर्थात् **परमवीर चक्र**, **महावीर चक्र** और **वीर चक्र** भारत सरकार द्वारा 26 जनवरी, 1950 को स्थापति कयि गये थे तथा 15 अगस्त, 1947 से प्रभावी माने गये थे ।
 - इसके बाद, भारत सरकार द्वारा 4 जनवरी, 1952 को अन्य तीन वीरता पुरस्कार अर्थात् अशोक चक्र श्रेणी-I, अशोक चक्र श्रेणी-II और अशोक चक्र श्रेणी-III की स्थापना की गई, जो 15 अगस्त, 1947 से प्रभावी माने गए ।
 - जनवरी 1967 में इन पुरस्कारों का नाम बदलकर क्रमशः **अशोक चक्र**, **कीर्तिचक्र** और **शौर्य चक्र** कर दयि गया ।
- इन वीरता पुरस्कारों की घोषणा **वर्ष में दो बार** की जाती है, पहले **गणतंत्र दिवस** के अवसर पर और फरि **स्वतंत्रता दिवस** के अवसर पर ।
- वीरता पुरस्कारों को **दो प्रकारों** में वर्गीकृत कयि जाता है:
 - **युद्धकालीन वीरता पुरस्कार:**
 - ये पुरस्कार शत्रु के सामने बहादुरी के लयि दयि जाते हैं ।
 - **शांतकालीन वीरता पुरस्कार:**
 - ये पुरस्कार शत्रु के वरुिद्ध बहादुरी के अलावा अन्य कार्यों के लयि भी दयि जाते हैं ।
- इन पुरस्कारों का वरीयता क्रम इस प्रकार है: **परमवीर चक्र**, **अशोक चक्र**, **महावीर चक्र**, **कीर्तिचक्र**, **वीर चक्र** और **शौर्य चक्र** ।